ये अव्यक्त इशारे

सफलतामूर्त बनो

8-11-2024

सेवा की सफलता का आधार - त्याग और तपस्या है। एक बाप दूसरा न कोई - यह है हर समय की तपस्या और जैसा समय, जैसी समस्यायें, जैसे व्यक्ति वैसे स्वयं को मोल्ड कर स्व कल्याण और औरों का कल्याण करने के लिए सदा इज़ी रहना, परिस्थिति और समय अनुसार अपनी श्रेष्ठ स्थिति बना लेना अर्थात् अपने को मोल्ड कर लेना इसको कहा जाता है त्याग। इसी त्याग, तपस्या से सफलता मिलती है।

Become an embodiment of success

The basis of success in service is renunciation and tapasya. To belong to the one Father and none other is the tapasya of every moment. And to be able to mould yourself according to the time, situation and person is to remain constantly easy in benefitting the self and others. To create your elevated stage according to the circumstances and the time, that is, to be able to mould yourself, is known as renunciation. You receive success through this renunciation and tapasya.